

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

‘टिफिन बैठक’ पहल : कैसे पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं की शक्ति को बनाया संगठन की ताकत

Publisher

Published on | 15 Sep 2025



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ‘टिफिन बैठक’ पहल ने भारतीय राजनीतिक और संगठनात्मक परिदृश्य में एक नई मिसाल कायम की है। यह पहल केवल बैठकों का साधारण क्रम नहीं है, बल्कि यह कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने, उन्हें सशक्त बनाने और संगठन की जड़ों को मजबूत करने का एक रणनीतिक कदम है। बी एल संतोष के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी मानते हैं कि संगठन की वास्तविक शक्ति उनके तपस्वी और समर्पित कार्यकर्ताओं में निहित है।

‘टिफिन बैठक’ की पहल की शुरुआत गुजरात से हुई, जहां पीएम मोदी ने स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ प्रत्यक्ष संवाद करना शुरू किया। इस पहल का उद्देश्य था कि कार्यकर्ताओं को न केवल योजनाओं और नीतियों से अवगत कराया जाए, बल्कि उन्हें सक्रिय और सशक्त बनाने के लिए प्रेरित भी किया जाए।

बी एल संतोष बताते हैं कि प्रधानमंत्री ने इस पहल के जरिए यह सुनिश्चित किया कि संगठन की नींव मजबूत हो और हर स्तर पर कार्यकर्ताओं की क्षमता का सही उपयोग हो। प्रत्येक बैठक में कार्यकर्ताओं के अनुभवों को सुना गया, उनकी समस्याओं को समझा गया और उन्हें संगठनात्मक लक्ष्यों की दिशा में प्रशिक्षित किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में हर गांव में शाखा स्थापित करने का लक्ष्य रखा। उनका मानना था कि जब संगठन की जड़ें गांव स्तर तक मजबूत होंगी, तभी यह व्यापक स्तर पर प्रभावी और सशक्त हो सकेगा। इन शाखाओं के माध्यम से कार्यकर्ता योजनाओं को सीधे जनता तक पहुंचाने में सक्षम हुए और स्थानीय मुद्दों के समाधान में योगदान देने लगे।

शाखाओं की स्थापना ने कार्यकर्ताओं को योजनाबद्ध तरीके से काम करने के लिए प्रेरित किया। बी एल संतोष के अनुसार, यह प्रक्रिया कार्यकर्ताओं में जिम्मेदारी की भावना पैदा करती है और उन्हें संगठन की प्रगति में सीधे भागीदार बनाती है।

प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि संगठन की ताकत उनके कार्यकर्ताओं में होती है। ‘टिफिन बैठक’ पहल के तहत कार्यकर्ताओं को नियमित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन दिया गया। यह प्रशिक्षण केवल राजनीतिक तकनीक तक सीमित नहीं था, बल्कि इसमें नेतृत्व क्षमता, सामाजिक संवाद, समस्या समाधान और जनता से सीधे जुड़ने की कला शामिल थी।

इस प्रक्रिया ने कार्यकर्ताओं को अधिक आत्मनिर्भर और जागरूक बनाया। उन्होंने न केवल संगठन के उद्देश्य को समझा, बल्कि स्थानीय समस्याओं के समाधान में भी सक्रिय भूमिका निभाई।

बी एल संतोष के अनुसार, 'टिफिन बैठक' पहल इसलिए यादगार बन गई क्योंकि इसने संगठनात्मक और व्यक्तिगत दोनों स्तरों पर कार्यकर्ताओं के दृष्टिकोण को बदल दिया। कार्यकर्ता अब केवल आदेशों के पालनकर्ता नहीं रहे, बल्कि सक्रिय सहभागी और स्थानीय मुद्दों के समाधानकर्ता बन गए।

प्रधानमंत्री मोदी की व्यक्तिगत भागीदारी और कार्यकर्ताओं के साथ प्रत्यक्ष संवाद ने इस पहल को और प्रभावशाली बना दिया। उन्होंने यह संदेश दिया कि संगठन केवल नेतृत्व के निर्णयों पर निर्भर नहीं है, बल्कि यह कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता और सक्रियता से मजबूत होता है।

'टिफिन बैठक' पहल ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संगठनात्मक सफलता केवल नीतियों या कार्यक्रमों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इसके पीछे कार्यकर्ताओं की शक्ति और उनके सशक्तिकरण की प्रक्रिया होती है। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, यह पहल भविष्य में भी संगठन को मजबूती प्रदान करती रहेगी और कार्यकर्ताओं को योजनाबद्ध और प्रभावी ढंग से काम करने के लिए प्रेरित करेगी।

इस पहल के माध्यम से यह भी स्पष्ट हुआ कि छोटे स्तर पर किए गए प्रयास संगठन की लंबी अवधि की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण, गांव-गांव में शाखाओं की स्थापना और स्थानीय मुद्दों पर सक्रिय भागीदारी संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में सक्षम है।

DISCLAIMER: THE VIEWS/CONTENTS EXPRESSED/PRESENTED HEREIN, WITHIN THIS ADVERTORIAL AND PROMOTIONAL FEATURE ARE THE SOLE AND EXCLUSIVE RESPONSIBILITY OF INDIVIDUAL CLIENTS/EXPERT/THEIR AUTHORISED REPRESENTATIVE/PUBLISHER, TO WHICH EFFECT, PUBLICATION HOUSE/ITS REPRESENTATIVE/AFFILIATES ARE NOT RESPONSIBLE/LIABLE WHATSOEVER.